>

Title: Need to undertake development of districts of Uttar Pradesh bordering Nepal under Border Area Development Programme.

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय (श्रावस्ती): बार्डर एरिया डेवलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत भारत-नेपाल सीमा से सटे जनपद बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोरखपुर, कुशीनगर जोकि लगभग 15 किलोमीटर तक सटे हुए हैं, उनके सर्वांगीण विकास की योजना बनाई जानी चाहिए। जिसके लिए सबसे प्रथम गांवों की सड़कों का सुदृढ़ीकरण किया जाना अत्यंत आवश्यक है जोकि सामरिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा गांवों के विद्युतीकरण, पक्की नालियों का निर्माण, सामुदायिक केन्द्र, पाठशालाओं, अनाज भंडारण एवं रखरखाव केन्द्र, कृषि विपणन केन्द्र, पशुपालन एवं रेशम उत्पादन केन्द्र, दूरसंचार सुदृढ़ीकरण, आई.टी.आई., पॉलिटेक्निक तथा अन्य रोजगारपरक शिक्षण संस्थाओं, प्रत्येक 15 किलोमीटर पर माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा केन्द्र, हर पांच किलोमीटर पर स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना करायी जाए जिससे भारत-नेपाल सीमा से सटे हुए जिलों की विकास की गति तीव्र हो सकें। इसके लिए भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न मंत्रालयों के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं को सिंगल अम्ब्रेला योजना के अंतर्गत समायोजन किया जाना चाहिए, जिससे अंतर्राष्ट्रीय सीमा को सामरिक दृष्टि से सुदृढ़ करते हुए स्थानीय निवासों को सामरिक प्रशिक्षण प्रदान कर समृद्धशाली बनाया जा सके। इससे सरकार की भारत निर्माण की मूल भावना से आम जनता को सीधा जोड़ते हुए राष्ट्र विकास, सुरक्षा तथा सीधी भागीदारी सुनिश्चित की जानी संभव हो सकेगी।